Bihar Board Class 12th Philosophy - 2023 Question Paper

Time Allowed :3 Hours 15 minutes	Maximum Marks :100	Total Questions :138

General Instructions

Read the following instructions very carefully and strictly follow them:

1. प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।
2. प्रश्न-पत्र दो खण्डों 'अ' तथा 'ब' में विभाजित है।
3. प्रश्न-पत्र के खण्ड 'अ' में बहुविकल्पीय प्रश्न हैं, जिसमें सही विकल्प का चयन करके OMR शीट पर नीले अथवा काले बॉल प्वाइंट पेन से सही विकल्प वाले गोले को पूर्ण रूप से काला करें।
4. खण्ड 'अ' में कुल 100 बहुविकल्पीय प्रश्न हैं, जिनमें से किसी भी 50 प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 अंक निर्धारित है। 50 से अधिक प्रश्नों के उत्तर दिए जाने पर केवल पहले 50 उत्तरों का ही मूल्यांकन किया जाएगा।
5. OMR उत्तर पत्रक में हाइलाइटर, तरल पदार्थ, ब्लेड, नाखून आदि का प्रयोग वर्जित है, अन्यथा परीक्षा परिणाम अमान्य होगा।
6. खण्ड 'ब' में कुल 30 लघु उत्तरीय प्रश्न हैं, जिनमें से किसी भी 15 प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक निर्धारित हैं।
7. खण्ड 'ब' में 8 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं, जिनमें से किसी भी 4 प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित हैं।
8. किसी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण का प्रयोग पूर्णत: वर्जित है।
9. परीक्षार्थी OMR उत्तर पत्रक पर अपना प्रश्न पुस्तिका क्रमांक (10 अंकों का) अवश्य लिखें।
10. परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में हो उत्तर दें।
11. दाहिनी और हाशिये पर दिये हुए अंक पूर्णांक निर्दिष्ट करते हैं।

Section-A

1. योग दर्शन में 'चित्तवृत्ति निरोध' को क्या कहते हैं ?

(1) समाधि
(2) योग
(3) प्राणायाम
(4) ईश्वर

2. भारतीय दर्शन की उत्पत्ति किससे मानी जाती है ?

(1) पलायनवादी प्रवृत्ति
(2) निराशावादी दृष्टिकोण

(3) भौतिक सुख-प्राप्ति की कामना
(4) आध्यात्मिक असन्तोष

3. अद्वैत वेदान्त के अनुसार 'जगत' की सत्ता क्या है ?
(1) पारमार्थिक
(2) व्यवहारिक
(3) प्रातिभासिक
(4) इनमें से सभी

4. चार्वाक, बौद्ध और जैन किस दार्शनिक सम्प्रदाय में आते हैं ?
(1) आस्तिक
(2) नास्तिक
(3) आस्तिक एवं नास्तिक दोनों
(4) इनमें से कोई नहीं

5. स्याद्वाद को समझाने के लिए जैन दर्शन में कितने 'नयों/भंगियों' का प्रतिपादन किया गया ?
(1) चार
(2) पाँच
(3) सात
(4) नौ

6. भारतीय दर्शन की मूल दृष्टि है
(1) बौद्धिक
(2) विश्लेषणात्मक
(3) आध्यात्मिक
(4) इनमें से कोई नहीं

7. निष्काम कर्म का मूल सिद्धान्त है।
(1) शारीरिक सुख
(2) कर्तव्य के लिए कर्तव्य
(3) भौतिक सुख
(4) इनमें से कोई नहीं

8. निम्न में से कौन-सी वेदान्त की शाखा नहीं है ?
(1) अद्वैत
(2) विशिष्टाद्वैत
(3) द्वैतवाद
(4) क्षणिकवाद

9. निम्नलिखित में से कौन-सा एक परार्थानुमान का घटक नहीं है ?
(1) उपनय
(2) उदाहरण
(3) हेतु
(4) परामर्श

10. वैशेषिक दर्शन का दूसरा नाम क्या है ?

(1) औलूक्य
(2) उल्लूक
(3) ऐलूक
(4) इनमें से सभी

11. ईश्वर की सत्ता के लिए 'नैतिक युक्ति' (Moral Argument) का समर्थन किसने किया है ?
(1) कान्ट
(2) देकार्त
(3) स्पिनोज़ा
(4) ह्यूम

12. कारणता सिद्धान्त है
(1) धार्मिक
(2) वैज्ञानिक
(3) अवैज्ञानिक
(4) इनमें से नहीं

13. निम्न में से कौन पुरुषार्थ नहीं है ?
(1) अर्थ
(2) धर्म
(3) आत्मा
(4) मोक्ष

14. ज्ञान प्राप्त करने वाले को क्या कहते हैं ?
(1) प्रमा
(2) अप्रमा
(3) प्रमाण
(4) इनमें से कोई नहीं

15. 'प्रयोजनमूलक युक्ति' (Teleological / Pragmatic Argument) सम्बन्धित है—
(1) आत्मा के अस्तित्व से
(2) कारणता सिद्धान्त से
(3) ईश्वर के अस्तित्व से
(4) जगत के अस्तित्व से

16. सर्वेश्वरवाद (Pantheism) के समर्थक कौन हैं ?
(1) ह्यूम
(2) लॉक
(3) स्पिनोज़ा
(4) कान्ट

17. निम्न में से किस युक्ति का कहना है कि ईश्वर का अस्तित्व, ईश्वर के विचार से अनिवार्यतः फलित होता है ?
(1) विश्वमूलक युक्ति
(2) कारणतामूलक युक्ति
(3) तार्किक युक्ति

(4) प्रयोजनमूलक युक्ति

18. महावीर को निर्वाण कहाँ प्राप्त हुआ ?

(1) पावापुरी
(2) बोधगया
(3) कुशीनगर
(4) राजगीर

19. कितने पदार्थों को वैशेषिक स्वीकार करता है ?

(1) तीन
(2) चार
(3) पाँच
(4) इनमें से कोई नहीं

20. 'ऋण' की अवधारणा सम्बन्धित है—

(1) ब्रह्मचर्याश्रम से
(2) गृहस्थाश्रम से
(3) वानप्रस्थाश्रम से
(4) संन्यासाश्रम से

21. 'तत्त्वचिन्तामणि' पुस्तक के लेखक कौन हैं ?

(1) उदयन
(2) गंगेश
(3) गौतम
(4) प्रशस्तपाद

22. 'ऋत' सम्बन्धित है—

(1) भौतिक नियम से
(2) धार्मिक नियम से
(3) नैतिक नियम से
(4) इनमें से सभी से

23. 'कर्म' शब्द की उत्पत्ति हुई है—

(1) 'कृ' धातु से
(2) 'लु' धातु से
(3) 'कर्म' धातु से
(4) इनमें से कोई नहीं

24. ईश्वर के अस्तित्व को सिद्ध करने के लिए देकार्त ने निम्न में से किस सिद्धान्त का प्रयोग किया है ?

(1) एक पूर्ण सत्ता समग्र विश्व का कारण होनी चाहिए
(2) एक पूर्ण सत्ता **एक पूर्ण सत्ता के प्रत्यय** (विचार) का कारण होनी चाहिए
(3) एक पूर्ण सत्ता **असीमित सत्ताओं** का कारण होनी चाहिए
(4) इनमें से कोई नहीं

25. निम्न में से कौन 'समानान्तरवाद' (Psychophysical Parallelism) का समर्थक है ?

(1) देकार्त
(2) स्पिनोज़ा
(3) लाइबनिज
(4) लॉक

26. पूर्व स्थापित सामंजस्य सिद्धान्त सम्बन्धित है—

(1) देकार्त से
(2) स्पिनोज़ा से
(3) लाइबनिज से
(4) इनमें से कोई नहीं

27. अनुभववाद के समर्थक हैं

(1) देकार्त
(2) कान्ट
(3) ह्यूम
(4) स्पिनोज़ा

28. अरस्तू के अनुसार कारण है—

(1) उपादान
(2) आकारीक
(3) (a) तथा (b) दोनों
(4) इनमें से कोई नहीं

29. किस तर्क में जगत के अस्तित्व के आधार पर ईश्वर का अस्तित्व प्रमाणित किया जाता है ?

(1) विश्वमूलक तर्क
(2) प्रयोजनमूलक तर्क
(3) सत्तामूलक तर्क
(4) इनमें से कोई नहीं

30. अन्तः-क्रियावाद (Interactionism) का सिद्धान्त दिया गया है—

(1) कान्ट द्वारा
(2) देकार्त द्वारा
(3) स्पिनोज़ा द्वारा
(4) लॉक द्वारा

31. निम्न में से कौन एकवादी (Monist) है ?

(1) देकार्त
(2) स्पिनोज़ा
(3) सांख्य
(4) लाइबनिज

32. 'तर्कपूर्वकम् अनुमानम्' किसका मत है ?

(1) सांख्य का
(2) न्याय का
(3) बौद्ध
(4) जैन का

33. भरतृहरि ने प्रसिद्ध पुस्तक लिखी है—

(1) स्फोटवाद
(2) वाक्यपदीयम्
(3) शब्दबोध
(4) इनमें से कोई नहीं

34. न्याय सूत्र किसने लिखा है ?

(1) वाचस्पति
(2) वात्स्यायन
(3) गौतम
(4) उदयन भट्ट

35. शंकर के अनुसार निर्विशेषतः चेतन सत्ता कौन है ?

(1) ब्रह्म
(2) ईश्वर
(3) जीवात्मा
(4) जगत्

36. योग दर्शन में 'अहिंसा' क्या है ?

(1) यम
(2) नियम
(3) आसन
(4) तपस्

37. भगवद्गीता में कौन-से विचार पाये जाते हैं ?

(1) लोक-संग्रह
(2) निष्काम कर्म
(3) स्वधर्म
(4) इनमें से सभी

38. किसका उपदेश ज्ञान का स्रोत है ?

(1) आप्त पुरुष

(2) आम आदमी
(3) (a) तथा (b) दोनों
(4) आप्त स्त्री

39. शंकर के दर्शन के अनुसार पारमार्थिक सत्ता क्या है ?

(1) ब्रह्म
(2) जगत्
(3) ईश्वर
(4) इनमें से कोई नहीं

40. निम्नलिखित में से कौन पुरुषार्थ के अन्तर्गत नहीं आता है ?

(1) आत्मा
(2) धर्म
(3) मोक्ष
(4) अर्थ

41. भारतीय दर्शन में 'यथार्थ ज्ञान' कहलाता है—

(1) प्रमा
(2) अप्रमा
(3) प्रमाण
(4) ख्याति

42. भारतीय दर्शन है

(1) परिकल्पनात्मक
(2) व्यवहारिक
(3) अतिव्यवहारिक
(4) इनमें से कोई नहीं

43. अनेकान्तवाद सम्बन्धित है—

(1) बौद्ध दर्शन से
(2) जैन दर्शन से
(3) न्याय दर्शन से
(4) योग दर्शन से

44. न्याय दर्शन का समान तंत्र कौन दर्शन है ?

(1) योग दर्शन
(2) सांख्य दर्शन
(3) वैशेषिक दर्शन
(4) वेदान्त दर्शन

45. जैन और बौद्ध दर्शन किस दार्शनिक सम्प्रदाय में आते हैं ?

(1) आस्तिक
(2) नास्तिक
(3) (a) तथा (b) दोनों
(4) इनमें से कोई नहीं

46. निम्नलिखित में से कौन भारतीय दार्शनिक नहीं है ?

(1) कपिल
(2) गौतम
(3) देकार्त
(4) कणाद

47. बुद्ध के अष्टाङ्गिक मार्ग के प्रथम दो (सम्यक दृष्टि एवं सम्यक संकल्प) को क्या कहा जाता है ?

(1) प्रज्ञा
(2) शील
(3) समाधि
(4) इनमें से कोई नहीं

48. भारतीय दार्शनिक सम्प्रदायों को बाँटा गया है—

(1) आस्तिक में
(2) नास्तिक में
(3) आस्तिक एवं नास्तिक में
(4) इनमें से कोई नहीं

49. चतुर्थ आर्य सत्य को क्या कहा जाता है ?

(1) मध्यम मार्ग
(2) अष्टाङ्गिक मार्ग
(3) सम्यक मार्ग
(4) इनमें से कोई नहीं

50. बुद्ध के अनुसार दु:ख का मूल कारण क्या है ?

(1) तृष्णा
(2) जाति
(3) अविद्या
(4) नामरूप

51. महायान धार्मिक सम्प्रदाय का सम्बन्ध किस दर्शन से है ?

(1) जैन दर्शन से
(2) बौद्ध दर्शन में

(3) न्याय दर्शन से
(4) सांख्य दर्शन से

52. रामानुजाचार्य ने किस दर्शन को प्रतिपादित किया है ?

(1) अद्वैतवाद
(2) विशिष्टाद्वैतवाद
(3) द्वैतवाद
(4) भेदाभेदवाद

53. जैन दर्शन निम्नलिखित में से किसे स्वीकार करता है ?

(1) स्याद्वाद
(2) आरंभवाद
(3) अनात्मवाद
(4) विवर्तवाद

54. पतंजलि के योग-प्रविधि का प्रथम पायदान क्या है ?

(1) यम
(2) नियम
(3) ध्यान
(4) धारणा

55. वैशेषिक द्वारा कितने प्रकार का कर्म माना गया है ?

(1) पाँच
(2) आठ
(3) सोलह
(4) चौबीस

56. सांख्य के अनुसार गुणों की संख्या है

(1) अनन्त
(2) दो
(3) पाँच
(4) इनमें से कोई नहीं

57. 'एन इंट्रोडक्शन टू एथिक्स' के लेखक कौन हैं ?

(1) अरस्तू
(2) मिल
(3) मैकेंज़ी
(4) विलियम लिली

58. शंकर के अनुसार ब्रह्म हैं—

(1) सत
(2) चित
(3) आनन्द
(4) इनमें से सभी

59. लाइबनिज के अनुसार ज्ञान का स्रोत क्या है ?

(1) अनुभव
(2) बुद्धि
(3) (a) तथा (b) दोनों
(4) इनमें से कोई नहीं

60. कान्ट के अनुसार ज्ञान का स्रोत क्या है ?

(1) अनुभव
(2) बुद्धि
(3) (a) तथा (b) दोनों
(4) इनमें से कोई नहीं

61. मिल के अनुसार कारण है—

(1) भावात्मक उपधियों का योग
(2) निषेधात्मक उपधियों का योग
(3) (a) तथा (b) दोनों
(4) इनमें से कोई नहीं

62. कान्ट के अनुसार ज्ञान है—

(1) प्रागनुभविक निर्णय
(2) अनुभव सापेक्ष निर्णय
(3) संश्लेषणात्मक प्रागनुभविक निर्णय
(4) इनमें से कोई नहीं

63. कान्ट के ज्ञान सम्बन्धी विचार को कहते हैं—

(1) अनुभववाद
(2) बुद्धिवाद
(3) समीक्षावाद
(4) इनमें से कोई नहीं

64. समीक्षात्मक वस्तुवाद को कहते हैं—

(1) ज्ञानमीमांसीय एकवाद
(2) ज्ञानमीमांसीय द्वैतवाद
(3) तत्त्वमीमांसीय द्वैतवाद

(4) इनमें से कोई नहीं

65. किसने कहा है कि 'ज्ञान की प्राप्ति जन्मजात प्रत्यय से होती है' ?

(1) अनुभववादियों ने
(2) बुद्धिवादियों ने
(3) (a) तथा (b) दोनों
(4) इनमें से कोई नहीं

66. 'मैं सोचता हूँ इसलिए मैं हूँ' कथन दिया गया है—

(1) देकार्त द्वारा
(2) कान्ट द्वारा
(3) ह्यूम द्वारा
(4) स्पिनोज़ा द्वारा

67. शिक्षा दर्शन एक शाखा है—

(1) मनोविज्ञान की
(2) अर्थशास्त्र की
(3) तर्कशास्त्र की
(4) इनमें से किसी की नहीं

69. प्रागनुभविक ज्ञान सम्बन्धित है—

(1) बुद्धि से
(2) अनुभव से
(3) (a) तथा (b) दोनों
(4) इनमें से कोई नहीं

70. प्रत्ययवाद है।

(1) ज्ञानमीमांसीय सिद्धान्त
(2) तत्त्वमीमांसीय सिद्धान्त
(3) (a) तथा (b) दोनों
(4) इनमें से कोई नहीं

71. बुद्ध के किस आर्य सत्य में दु:खों का कारण वर्णित है ?

(1) प्रथम
(2) द्वितीय
(3) तृतीय
(4) चतुर्थ

72. निम्न में से कौन नास्तिक दर्शन है ?

(1) योग दर्शन
(2) न्याय दर्शन
(3) जैन दर्शन
(4) सांख्य दर्शन

73. जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर कौन हैं ?

(1) महावीर
(2) पार्श्वनाथ
(3) गौतम
(4) इनमें से कोई नहीं

74. योग दर्शन के प्रवर्तक कौन हैं ?

(1) गौतम
(2) कणाद
(3) पतंजलि
(4) कपिल

75. न्याय दर्शन के प्रवर्तक कौन हैं ?

(1) गौतम
(2) कपिल
(3) कणाद
(4) महावीर

76. सांख्य दर्शन के प्रवर्तक कौन हैं ?

(1) पतंजलि
(2) कपिल
(3) कणाद
(4) गौतम

77. अद्वैत वेदान्त के प्रवर्तक कौन हैं ?

(1) शंकर
(2) रामानुज
(3) निम्बार्क
(4) मध्व

78. वैशेषिक दर्शन के अनुसार निम्नांकित में कौन द्रव्य नहीं है ?

(1) कर्म
(2) काल
(3) आत्मा
(4) पृथ्वी

79. निम्न में से कौन आस्तिक दर्शन है ?

(1) बौद्ध दर्शन
(2) जैन दर्शन
(3) न्याय दर्शन
(4) इनमें से कोई नहीं

80. सांख्य दर्शन में आत्मा के लिए जिस पद का प्रयोग हुआ है, वह है—

(1) ईश्वर
(2) जीव
(3) पुरुष
(4) अजीव

81. न्याय के द्वारा कितने प्रमाणों को स्वीकार किया गया है ?

(1) दो
(2) तीन
(3) चार
(4) छः

82. जैन दर्शन के चौबीसवें तीर्थंकर कौन हैं ?

(1) गौतम
(2) ऋषभदेव
(3) कणाद
(4) इनमें से कोई नहीं

83. बुद्ध ने कितने आर्य सत्य बतलाये हैं ?

(1) तीन
(2) चार
(3) छः
(4) आठ

84. किस दर्शन में सम्यक् समाधि का वर्णन है ?

(1) योग दर्शन
(2) बौद्ध दर्शन
(3) जैन दर्शन
(4) न्याय दर्शन

85. गीता के अनुसार योग का क्या अर्थ है ?

(1) ईश्वर से मिलन
(2) त्याग

(3) समिध
(4) धर्म

86. निम्नलिखित में से किस एक में बुद्ध के उपदेश संहित हैं ?

(1) न्याय सूत्र में
(2) त्रिपिटक में
(3) ज्ञान की पुस्तक में
(4) इनमें से कोई नहीं

87. अनुमान को प्रमाण के रूप में स्वीकार किया है—

(1) न्याय दर्शन ने
(2) सांख्य दर्शन ने
(3) बौद्ध दर्शन ने
(4) इनमें से सभी ने

88. जैन दर्शन का तत्त्वमीमांसीय सिद्धान्त है—

(1) देहात्मवाद
(2) शाश्वतवाद
(3) अनेकान्तवाद
(4) स्यादवाद

89. गीता में कुल कितने अध्याय हैं ?

(1) बारह
(2) पन्द्रह
(3) अठारह
(4) पच्चीस

90. वैशेषिक के 'अभाव' पदार्थ दिया गया है—

(1) प्रशस्तपाद द्वारा
(2) गौतम द्वारा
(3) कणाद द्वारा
(4) भर्तृहरि द्वारा

91. निम्न में से कौन कारणता के सिद्धान्त से सम्बन्धित है ?

(1) मिल
(2) अरस्तू
(3) ह्यूम
(4) इनमें से सभी

92. निम्न में से कौन चिंतक संदेहवाद से सम्बन्धित है ?

(1) कांट
(2) स्पिनोज़ा
(3) प्लेटो
(4) ह्यूम

93. निम्नलिखित में से किस युक्ति को कारणात्मकमूलक युक्ति कहा जा सकता है ?

(1) सतामूलक
(2) विश्वमूलक
(3) प्रयोजनमूलक
(4) नैतिक

94. किसके अनुसार यथार्थ ज्ञान सार्वभौम, अनिवार्य एवं नवीन होना चाहिए ?

(1) डेसकार्त
(2) लॉक
(3) ह्यूम
(4) कांट

95. किस ज्ञान सिद्धान्त के अनुसार 'ज्ञान की प्राप्ति आगमनात्मक विधि से होती है' ?

(1) बुद्धिवाद
(2) अनुभववाद
(3) समीक्षावाद
(4) वस्तुवाद

96. निम्नलिखित में से कौन अनुप्रयुक्त नीतिशास्त्र की शाखा है ?

(1) व्यवसाय नीतिशास्त्र
(2) पर्यावरणीय नीतिशास्त्र
(3) जैव-चिकित्सीय नीतिशास्त्र
(4) इनमें से सभी

97. पर्यावरणीय नीतिशास्त्र है

(1) जीवन केन्द्रित
(2) पशु केन्द्रित
(3) मनुष्य केन्द्रित
(4) इनमें से सभी

98. सरल प्रत्यय और जटिल प्रत्यय का विचार किस अनुभववादी दर्शन में उल्लिखित है ?

(1) लॉक
(2) बर्कले
(3) ह्यूम

(4) इनमें से कोई नहीं

99. जड़ में गति प्रदान करने वाली शक्ति को क्या कहते हैं ?

(1) निमित्त कारण
(2) उपादान कारण
(3) आकारिक कारण
(4) अंतिम कारण

100. ईश्वर की सत्ता के लिए सतामूलक युक्ति का किसने समर्थन किया है ?

(1) लॉक
(2) ह्यूम
(3) कांट
(4) डेसकार्त

Section-B

1. योग दर्शन में 'योग' का क्या अर्थ है ?

---

2. गीता में योग का क्या अर्थ है ?

---

3. प्रतीत्यसमुत्पाद से आप क्या समझते हैं ?

---

4. अरस्तू ने कारणों की स्वीकृति (विशेषत: द्वैत/सार-रूप बनाम पदार्थ) को क्यों उचित माना ?

---

5. सांख्य दर्शन को द्वैतवादी क्यों कहते हैं ?

---

6. बर्कले का आत्मनिष्ठ प्रत्ययवाद क्या है ?

---

7. पदार्थ के रूप में 'द्रव्य' की व्याख्या करें।

---

8. 'व्यक्ति' क्या है ? विवेचना करें।

---

9. सांख्य के अनुसार प्रकृति के स्वरूप की व्याख्या करें।

---

10. सत्त्व गुण क्या है ?

---

11. स्वार्थानुमान और परार्थानुमान के बीच अन्तर स्पष्ट करें।

---

12. भारतीय दर्शन में आस्तिक और नास्तिक के विभाजन का आधार क्या है ?

---

13. 'स्वधर्म' के तात्पर्य स्पष्ट करें।

---

14. भारतीय दर्शन में 'पुरुषार्थ' का क्या अर्थ है ?

---

15. ईश्वर के अस्तित्व सम्बन्धी प्रमाण कौन-कौन से हैं ?

---

16. कारण के स्वरूप की व्याख्या करें।

---

17. नीतिशास्त्र की परिभाषा दें।

---

18. क्या शंकर के अनुसार जगत असत्य है ?

---

19. भारतीय दार्शनिक सम्प्रदायों के नाम लिखें।

---

20. परार्थानुमान क्या है ?

---

21. न्याय दर्शन के अनुसार अनुमान की परिभाषा दें।

22. आस्तिक दर्शन के नाम उनके प्रवर्तक के साथ लिखें।

---

23. बुद्धिवाद और अनुभववाद में क्या अन्तर है ?

---

24. भारतीय दर्शन में 'कर्म सिद्धान्त' के अर्थ को स्पष्ट करें।

---

25. शंकर का दर्शन अद्वैतवाद क्यों कहा जाता है ?

---

26. व्यावसायिक नीतिशास्त्र क्या है ?

---

27. वस्तुवाद से आप क्या समझते हैं ?

---

28. समनान्तरिक/समानान्तरवाद (Psychophysical Parallelism) क्या है ?

---

29. पुरुषार्थ के रूप में 'धर्म' की व्याख्या करें।

---

30. मृत्यु से आप क्या समझते हैं ?

Section-C

31. ईश्वर के अस्तित्व के संदर्भ में प्रयोजनमूलक (टेलीओलॉजिकल) युक्ति का वर्णन करें।

---

32. वैशेषिक के अभाव पदार्थ की व्याख्या करें।

---

33. अनुभववाद की प्रमुख विशेषताओं की व्याख्या करें।

34. शंकर के अनुसार ब्रह्म के स्वरूप की विवेचना करें।

---

35. अनेकान्तवाद की अवधारणा की व्याख्या करें।

---

36. बुद्ध के द्वितीय आर्य सत्य की विवेचना करें।

---

37. देहवादी के अनुसार मन एवं शरीर के संबंध की व्याख्या करें।

---

38. चिकित्सकीय नीतिशास्त्र की समीक्षात्मक व्याख्या करें।